केंद्र के राहत पैकेज से यूपी की शुगर मिलों का लौटा दमखम

राहत पैकेज की बदौलत मिलों ने गन्ने के पूरे बकाए का भुगतान कर दिया

[श्रेया जय | नई दिल्ली]

यूपी की शुगर इंडस्ट्री अब रिकवरी की राह पर है। इससे पहले वह कैश की कमी का सामना कर रही थी। पांच महीने पहले महीने भर के लिए मिलें बंद भी थीं। केंद्र सरकार के राहत पैकेज की बदौलत राज्य की मिलों ने गन्ने के पूरे बकाए का भुगतान कर दिया है। यह बकाया पिछले शुगर सीजन (अक्टूबर 2012-सितंबर 2013) का था।

मिलों को गन्ने का कुल 22,000 करोड़ का बकाया चुकाना था। इसमें को-ऑपरेटिव मिलों ने पूरी रकम और प्राइवेट मिलों ने 99.7 पर्सेंट रकम चुका दी है। इस सीजन में भी मिलों ने गन्ने की 46 पर्सेंट रकम का भुगतान किया है। यूपी शुगर इंडस्ट्री के सीनियर एग्जिक्यूटिव ने बताया, 'गन्ना पेमेंट के लिए इंटरेस्ट सब-वेंशन स्कीम से मिलों को कुछ राहत मिली है। खासतौर पर यूपी में, जहां पिछले सीजन के लिए गन्ने का काफी पेमेंट करना था।' पिछले साल दिसंबर में एग्रीकल्चर मिनिस्टर ने गन्ने का बकाया चुकाने के लिए किसानों को 7,200 करोड़ रुपये का लोन दिया था। इस पर 12 पर्सेंट की इंटरेस्ट सब्सिडी दी गई थी।

पिछले सीजन में गन्ने का बकाया 10,000 करोड़ रुपये से ज्यादा हो गया था। गन्ने की ज्यादा कीमत के चलते मिलों को किसानों का बकाया चुकाने में दिक्कत हो रही थी। वहीं चीनी के दाम तब कम बने हुए थे।

पिछले 3 महीनों में चीनी की कीमत 8 पर्सेंट बढ़ी है, लेकिन प्रॉडक्शन अब भी सुस्त है। एक एग्जिक्यूटिव ने बताया कि पिछले साल नवंबर में मिलें बंद रहीं। इस वजह से शुगर प्रॉडक्शन में कमी आई है। यूपी में इस साल 51.5 लाख टन शुगर प्रॉडक्शन हुआ है, जो पिछले साल से 13 पर्सेंट कम है।

इंडियन शुगर मिल्स एसोसिएशन (इस्मा) पहले ही शुगर प्रॉडक्शन एस्टिमेट में 5 पर्सेंट की कमी कर चुका है। सर्दियों में बारिश और गन्ने की पेराई में देरी के चलते उसने यह कदम उठाया था।

गन्ने की ज्यादा कीमत के चलते यूपी की शुगर इंडस्ट्री ने मौजूदा शुगर सीजन में एक महीने काम बंद रखा था। अभी राज्य में मिलें 280 रुपये क्विंटल के रेट पर गन्ना खरीद रही हैं। वहीं चीनी की कीमत 30-33 रुपये किलो के करीब है।

रिकवरी की राह

- **मिलों को** गन्ने का कुल 22,000 करोड़ का बकाया चुकाना था। इसमें को-ऑपरेटिव मिलों ने पूरी रकम और प्राइवेट मिलों ने 99.7 पर्सेंट रकम चुका दी है
- **पिछले साल** दिसंबर में मिलों को गन्ने का बकाया चुकाने के लिए किसानों को 7,200 करोड़ रुपये का लोन मिला था
- **गन्ने का** बकाया 10,000 करोड़ रुपये से ज्यादा हो गया था

The Economic Times (Hindi)
21/4/14